खबर संक्षेप

यशोदा के कंधों पर थी आठ बच्चों और परिवार की जिम्मेदारी

मण्डला। माँ की ममता की छांव में पल बढ़ कर काबिल बनते तो बहुतों को देखा होगा, लेकिन आज हम आपको एक ऐसी मां से रूबरू कराने जा रहे हैं जिसने अपना पूरा जीवन अपने बच्चों की परवरिश और उन्हें काबिल बनाने में लगा दिया। इस माँ का संघर्ष सफल हुआ और उनके बच्चे आज अपने पैरों पर खड़े है। जानकारी अनुसार मंडला जिला मुख्यालय के स्वामी सीताराम वार्ड निवासी श्रीमती यशोदा यादव पति स्व. गणेश प्रसाद यादव अपने जीवन के संघर्ष की कहानी बयां करते हुए बताती है कि उनका 18 वर्ष की आयु में विवाह हो गया था। विवाह के बाद इनकी 8 संतान हुई। जिनमें 5 बेटियां और 3 बेट हैं। यशोदा ने बताया कि जब इनकी छोटी बेटी केवल 6 माह की थी तब इनके पति गणेश प्रसाद यादव का स्वर्गवास हो गया था। जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी यशोदा के कंधों पर आ गई। यशोदा ने बताया कि पति की मृत्यु के समय इनके सभी बच्चे नाबालिग थे। श्रीमती यशोदा यादव पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई इसके साथ ही घर के बुजुर्ग ससुर की जिम्मेदारी भी इन्ही के कंधों पर थी। अपनी हिम्मत और जज्बे को बुलंद रखा और संघर्ष शुरू कर दिया। यशोदा ने हार न मानते हुए अपने आपको संभाला और मजदूरी करके अपने सभी बच्चों का पालन पोषण किया। सभी बच्चों को इस लायक बनाया कि दुनिया में सिर उठाकर जी सके। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हुए पूरे परिवार का पालन-पोषण स्वयं के दम पर किया। इन्होंने कड़ी मेहनत करके अपने 6 बच्चों की शादी भी कर चुकी हैं। आज उनकी तीन बेटों में से एक बेटा शासकीय सेवा में है और बाकी 2 बेटे भी अपना अपना व्यवसाय संभाल रहे हैं।

घर तोड़ने आये बुल्डोजर को वापिस लौटाया

फौजी के समर्थन में प्रशासन के विरूद्ध जनता

*** किसके दबाव में कार्यवाही करने मजबूर हैं राजस्व विभाग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जय हिन्द वन्दे मातरम का नारा बुलन्द करने वाले फौजी को लोगों के पैर पडते नहीं देखा गया होगा। लेकिन यह कल उस समय चरितार्थ हुआ जब एक फौजी अपनी जिंदगी भर की कमाई से बनाये मकान को बचाने अधिकारियों के पैरों में गिरता दिखाई दिया वह तो लोगों को यह बर्दाश्त नहीं हुआ और फौजी का मकान तोड़ने पहुंचे प्रशासन के अधिकारियों एवं बुल्डोजर के सामने वे खड़े हो गये और किसी भी स्थिति में मकान को तोड़ने नहीं दिया। जेसीबी मशीन के सामने भीड खडी हो गयी जिससे टीम को लौटना पड़ा।

ज्ञात हो कि मणीपुर के असम रायफल में तैनात सुखचैन मरावी द्वारा अपनी पत्नि पुष्पा मरावी के नाम से पटवारी हल्का नंबर 57 बिंझिया शांतिनगर में वर्ष 2010 में खसरा नंबर 8/1/3/1/1/1/1 रकबा 0.29 हे. भूमि कृय किया गया था। जिसमें राजस्व विभाग से सीमांकन कराकर मकान का निर्माण कराया गया है। किन्तु एक फौजी परिवार अपने मकान निर्माण के साथ से ही परेशान हो रहा है। दरअसल निर्मित मकान के पीछे राकेश चौरसिया के परिवार के मकान हैं और फौजी की पत्नि के नाम की खाली पडी भूमि 15x30=450 वर्गमीटर पर तार की फेंसिंग कर कब्जा करने का आरोप लगाया गया था। जिसका मामला तहसील कार्यालय में पंजीबध्द हुआ था और दिनांक 13.04.2023 को कब्जा हटाने का आदेश पारित कर कब्जा अलग कराया गया। तभी से विवाद गरमाया हुआ है। कानूनी दॉव पैंच आरोप प्रत्यारोप का दौर अभी तक जारी है। शनिवार की दोपहर में प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ जेसीबी मशीन सहित फौजी के ही मकान को तोडने पहुंच गई। यह देख फौजी एवं उसकी पत्नि व बच्चों की ऑखों में ऑसू भरे रहे। इस दौरान स्थानीय महिला पुरूषों द्वारा मीडिया की मौजूदगी में जेसीबी मशीन के सामने खडे होकर कहा कि मकान सहीं जगह बना है नहीं तोडने देंगे। अंततः प्रशासन को लौटना पडा। ये समझ के परे है कि राजस्व विभाग के द्वारा सीमांकन करने के बाद फौजी द्वारा मकान बनाया गया है फिर वही विभाग क्यों उक्त मकान को तोड़ना चाहता है। मौके पर पॅहुचे अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय का आदेश है। इस पूरे मामले को लेकर फौजी सुखचैन मरावी ने बताया कि वीरेन्द्र चौरसिया जो कि निवास में संविदा कर्मी है वह राकेश चौरसिया बन कर अनेक स्थानों में झूठी शिकायत करके मेरे स्वामित्व की भूमि को हडपने की नियत से दबाव बना रहा है जबकि मेरे पास पूरे दस्तावेज हैं। मामले की जानकारी फौजी के उच्चाधिकारियों को भी है मिली जानकारी के अनुसार जिला स्तर पर भी इस विषय को लेकर हाई प्रोफाईल मीटिंग हो चुकी है। अब देखना होगा कि देश की रक्षा में अपने प्राण गवाने के लिए तत्पर रहने वाले इस फौजी का मकान बचता है कि तोड़ दिया जायेगा।

अब प्रश्न यह उठता है कि नियम के अनुसार प्लाट खरीदकर उसकी रजिस्ट्री कराने के बाद राजस्व अधिकारियों के द्वारा 3-3 बार कराये गये सीमांकन के आधार पर निर्माण किये गये मकान से किसको और क्यों असुविधा हो रही है बार-बार देश की सीमा की रक्षा करने वाले फौजी को छुट्टी लेकर स्थानीय प्रशासन की शरण में आना पड़ रहा है और अब तो हद ही हो गई जब राजस्व अधिकारियों ने नियम को मानते हुये अपनी जमींन पर मकान निर्माण किये हुये फौजी के इस मकान को तोड़ने का आदेश जारी कर दिया गया। जिला प्रशासन क्यों और किस कारण से देश की सेवा करने वाले मणिपुर में पदस्थ इस फौजी के आशियाने को तोड़ना चाहता है प्रशासन को सार्वजनिक करना चाहिये कि फौजी ने किन नियमों की अनदेखी की है और शिकायतकर्ता की असलियत क्या है।

नगर के ब्राह्मण समाज ने मनाया भगवान परशुराम जी का अवतरण दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

शस्त्र और शास्त्र में पारंगत भगवान श्री हरि विष्णु के छठे अवतार ब्राह्मण कुलभूषण भगवान श्री परशुराम जी के अवतरण दिवस पर सर्व ब्राह्मण समाज बिछिया द्वारा नगर में भगवान परशुराम जी के॒अवतरण दिवस पर नगर के राम मंदिर में सुबह भगवान श्री परशुराम जी के छाया चित्र की पूजन अर्चन राममंदिर के पुजारी आचार्य पंडित दिलीप गर्ग और पुरोहित अवधेश मिश्रा के मंत्रों पचार के साथ किया गया आरती पुजन के पश्चात सभी को फलाहार कराया गया जहा पुरुषो के साथ साथ मातृ शक्ति महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी निभाई।

शाम को निकाली गई परशुराम जी की शोभा यात्रा

इस अवसर पर संध्याकालीन समय में भगवान परशुराम जी की शोभा यात्रा निकली गई , जो राम मंदिर से बैंड बाजा आतिश बाजी के साथ और महिलाओं के द्वारा पीली टोपी पीले पोशाक एक वेशभूषा में महिला और पुरुषों ने इस शोभायात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ कमाया, भगवान की शोभा यात्रा राम मंदिर से रेंज कंपाउंड आदि शक्ति मां दुर्गा मंदिर से होते हुए ब्रायन फ्यूचर स्कूल दानितोला तिराहे में जाकर समाप्त हुई, जहां पर बच्चों एवं सामाज महिलाओ युवाओं ने सुन्दर प्रस्तुति दी संख वादन भी किया गया जिसने सामाज के बच्चों ने संख वादन किया सामाज के युवा विकास पाण्डे ने शिव तांडव स्त्रोत ,, सुनाया सभा का संचालन सामाज अध्याछ अशोक बाजपेयी एवम संगीता गर्ग ने किया

इस अवसर पर प, आजाद चोबे अशोक पाण्डे, आलोक दीक्षित प, सुनील गर्ग कृष्ण कुमार पाण्डे बलराम शुक्ला प्रहलाद दुबे,दमरी प्रशाद उपाध्याय ,चंद्रका प्रशाद उपाध्याय , रामसेवक पांडे,रजनीश पाण्डे रमाकांत तिवारी उपेंद्र चौबे संजय तिवारी दीपक पाण्डे अभय गर्ग वैभव मिश्रा धीरेंद्र मिश्रा चंद्रकांत शर्मा नीरज भट्ट जितेंद्र शुक्ला बिष्णु तिवारी कमल पांडे प्रखर तिवारी दिव्यांश गर्ग ओर महिलाओ मे अरुणा दीक्षित मोहनी गर्ग,संगीता गर्ग आंजना शुक्ला पुजा चौबे निशा गर्ग निशा पांडे संध्या पांडे साधना बाजपेई कल्पना उपाध्याय पिंकी भट्ट रत्ना गर्ग सरिता शुक्ला स्नेहलता दुबे सहित बडी संख्या में सामाज की मात्र शक्ति महिलाओ और सामाज लोगो ने भाग लिया।

कलेक्टर ने किया नवीन कलेक्ट्रेट कार्यालय निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने नवीन कलेक्ट्रेट कार्यालय भवन निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जमीन की आवश्यकता एवं उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने भूमि आवंटन की प्रक्रिया तथा निर्माण कार्य के लिए नक्शा आदि तैयार करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, ईईपीआईयू जीपी पटले सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भुआबिछिया में लोक अदालत हुई आयोजित

रिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर तथा संजय कृष्ण जोशी प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला के आदेशानुसार एवं प्रवीण सिन्हा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला के मार्गदर्शन में शनिवार को व्यवहार न्यायालय भुआ बिछिया में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ न्यायाधीश मीनल गजबीर द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। लोक अदालत में राजीनामा योग्य न्यायालय में लंबित कुल 92 प्रकरण रखे गए जिसमे से 18 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा 280000 रुपए की राशि अवार्ड हुई। साथ ही बैंकों एवं नगर परिषद के भी कुल 372 प्री लिटिगेशन प्रकरण रखे गए जिसमें 20 प्रकरणों का निराकरण हुआ तथा 268530 रुपए की राशि अवार्ड हुई। नेशनल लोक अदालत में अधिवक्ता संघ अध्यक्ष विजय चौरसिया, सचिव पीयूष पांडेय, श्यामलाल अग्रवाल, जेपीएन मिश्रा, संदीप पटेल, थानेश्वर तेकाम, दिलीप कोर्वे, नीलेश गिरी, विनय यादव अधिवक्तागण विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पिताश्री के जन्मदिवस पर बेटों ने मित्रों सहित किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता कमलकांत सोनी का कुछ माह पूर्व अल्पबीमारी से निधन हो गया था 10 मई को इनका ऐसा जन्मदिवस था जो उनकी अनुपस्थिति में मनाया गया इस दिवस पर उनके पुत्रों ने अपने मित्रों के साथ जन्मदिवस की पुण्य स्मृति में सुबह पीपल का पौधा गाजीपुर स्थित वैदिक गुरूकुल परिसर में रोपा और शाम को उनकी याद में गरीबों को भोजन वितरित किया देर शाम उनके दोनों पुत्र श्रेयांश सोनी एवं सर्वज्ञ सोनी ने अपने मित्रों के साथ जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक जाकर रक्त दान किया और फिर रपटाधाम में माँ नर्मदा जी किनारे अपने पिता के जन्मदिवस की स्मृति पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दोनों पुत्र और परिजनों के साथ अनुराग चौरसिया, आकर्षित साहू, अनिकेत सोनी, सुमित यादव, खरांशु कछवाहा, शिवांशु तिवारी, यश यादव, साहिल गिरवानी, संस्कार पमनानी, गौरव पटेल, सत्यम बर्मन, ललित तिवारी, अनुराग वर्मा, प्रांजल सोनी, शुभ बरमैया, प्रशांत यादव, गौरव अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, आयुष बर्वे आदि मित्रगण उपस्थित रहे।

लोक अदालत | **समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण 186 प्रकरणों में से 69 निराकृत।**

159 प्रकरण निराकृत, 7259216 रूपये का धनादेश पारित

*** नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन सम्पूर्ण देश में आयोजित किया गया। इसी तारतम्य में जिला मण्डला में जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एस0के0 जोशी के निर्देशन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रवीण कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रकार के राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण विद्युत प्रकरण, मोटर दुर्घटना, भरण-पोषण, चैक बाउन्स, श्रम, राजस्व (जिला न्यायालय एवं मान0 उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरण) पारिवारिक वैवाहिक मामले न्यायालय के प्रकरणों के साथ-साथ, बैंक, नगरपालिका, विद्युत एवं बी0एस0एन0एल0 के प्रीलिटिगशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय मण्डला एवं तहसील न्यायालय नैनपुर, निवास, बिछिया में भी उक्त नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई है जिसमें सभी समझौते योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु 18 खंडपीठों का गठन किया गया है। आपसी सुलह के आधार पर राजीनामा किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार की नेशनल लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में बैंक के 2857 प्रकरणों में से 39 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें 3862550 रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई, बी0एस0एन0एल0 विभाग के 240 प्रकरणों में से 1 प्रकरण निराकृत हुये। विद्युत विभाग के 559 प्रकरणों में से 15 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें 214726 रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई, नगरपालिका के 505 प्रकरणों में से 69 प्रकरण निराकृत हुये, जिसमें 268728 रूपये की वसूली राशि प्राप्त हुई।

न्यायालय के लंबित केसेस में समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण 186 प्रकरणों में से 69 निराकृत हुए। धारा 138 एन0आई0एक्ट के 75 प्रकरणों में से 22 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें राशि 2761781 का अवार्ड पारित किया गया, एम0ए0सी0टी0 के 223 प्रकरणों में से 31 प्रकरण निराकृत हुये जिसमें राशि 2446144 का अवार्ड पारित किया गया। पारिवारिक विवाद के 66 प्रकरणों में से 13 प्रकरणों को निराकृत किया गया। अन्य सिविल प्रकृति के 63 प्रकरणों में से 11 प्रकरण निराकृत हुये। लंबित विद्युत अधिनियम के 14 प्रकरण रखे गये थे, जिसमें से 2 प्रकरण निराकृत हुये।

कलेक्टर ने किया निमार्णाधीन सीएम राईज स्कूल भवन का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने नारायणगंज विकासखंड के टिकरिया तथा बीजाडांडी विकासखंड के कालपी में बन रहे सीएम राईज स्कूल भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। उपयोग में लाई जा रही सामग्री में मानकों का ध्यान रखें। उन्होंने क्लासरूम, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, स्टॉफ रूम तथा शौचालय आदि के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम तथा संबंधित विभाग के अधिकारी भी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

सीएम राईज स्कूल भवन टिकरिया नारायणगंज के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्य की गति को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश से पहले भू-तल का कार्य पूर्ण करें। भवन निर्माण के साथ-साथ बाउंड्रीवॉल के निर्माण का भी कार्य करें। इसी प्रकार सीएम राईज स्कूल भवन कालपी बीजाडांडी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युतीकरण, स्मार्ट क्लासरूम आदि के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास कालपी का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम निवास शाहिद खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कुल्हाडी मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम बरांझ राकेश पिता घासीराम पारधी उम्र 32 वर्ष द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में झाडू बनाने का काम करता हूँ तथा मै अपनी ससुराल ग्राम बरांझ में 8 वर्ष पूर्व से पत्नी से शादी होने के बाद से रह रहा हूँ तथा मेरा भाई गुड्डू खरगौन में बटेरा में रहता वह लगभग एक साल पहले मेरे चाचा ससुर बेटी को को लेकर गया और शादी कर लिए तभी से वह रंजीश रखते है। इसी बात को लेकर बीते हुये दिवस चाचा ससुर द्वारा बीते हुये दिवस गंदी गंदी गालिया देते हुये कुल्हाडी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई इस तरह मारपीट होते हुये देख जब मेरी पत्नी बीच बचाव करने आई तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी चाचा ससुर फागु पारधी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

भाई ने भाई के साथ की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस विवेकानंद वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में दुकान बंद कर के घर आया और अपने घर के आंगन में सो रहा था तभी मेरे पडौस में मेरी मौसी का लडका पारस जाटव की लडकी की रोते हुये मेरे घर आई मुझसे बोली बडे पापा, पापा मम्मी को मारपीट कर रहे है तभी पारस जाटव आया और मुझे गंदी गंदी गालिया देने लगा गाली देने से मना किया तो लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बैंक मैनेजर को दी गई जान से मारने की धमकी

गाडरवारा। नगर के इन्द्रा वार्ड निवासी तथा करेली पंजाब बैंक शाखा में पदस्थ बैंक मैनेजर द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि हमारा यदुनंदन कुशवाहा निवासी बड़ी खेरमाई के पास जबलपुर निवासी से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। उसी बात को लेकर बीते हुये जब मैं अपने घर पर था तथा घर में मेरे चाचा दुर्गा प्रसाद कुशवाहा एवं माँ सहित अन्य लोग थी कि तभी जमीनी विवाद को लेकर यदुनंदन कुशवाहा ,मिंटू भट्ट निवासी जबलपुर के साथ हाथ में गन्ना काटने के कोता लेकर आया और हमे गंदी -गंदी गालियाँ देकर घर के दरवाजो पर कोता मारते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत में आरोप लगाते हुये बताया गया है कि यदुनंदन कुशवाहा अपने साथी मिंटू भट्ट निवासी जबलपुर तथा इरशाद खान निवासी हनुमान वार्ड गाडरवारा के साथ हाथ में गन्ना के कोता लेकर आये और हमारी लेवर जो गन्ना काट रही थी उनको गाली गलौच कर भगा दिया तथा ठेकेदार भरत कौरव ने गाली देने से मना किया तो भरत कौरव के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई जिसके चलते पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बाइक की टक्कर से घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस एमपीईबी कालोनी राजीव बार्ड निवासी बाइक चालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब वह बीते हुये दिवस नगर छीपा तिगड्डे से मैं मोटर साईकल MP49ME 4538 से अपने घर जा रहा था तभी रास्ते पर एक माता राम जिनका नाम मंजूला दुबे जो शनि मंदिर तक छोडने बोली तो मैने उन्हे अपनी मोटर साईकिल पर बैठा लिया गया था जब पी.जी. कालेज के पास पहुंचे तो वहां पर एक बाईक क्रमांक MP49ZA8736 पर दो लडके सवार होकर आये ओर तेज गति व लापरवाही पूर्वक मोटर साईकल चलाते हुए मेरी गाडी को पीछे से अक्कर मार दिया गया जिसके चलते प्रार्थी व साथ में बाइक पर बैठी मंजूला दुबे नीचे गिर जाने के कारण घायल हो गये। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

मदर्स डे पर माँ का स्नेह भरा आशीर्वाद मिलना सबसे बड़ा सौभाग्य...

माॅ का दुलार जीवन में कभी भुलाया नही जा सकता है, हर व्यक्ति की जिन्दगी में माँ ही होती है जो अपने बच्चे के जीवन व खुशहाली के लिये अपनी जिन्दगी दांव पर लगाने में भी पीछे नही हटती है

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भारतीय संस्कृति में बच्चों को जन्म देकर उनका स्नेह से पालन पोषण करने वाली माँ का जितना महत्व बताया गया है। शायद ही किसी भी व्यक्ति के जीवन में उससे अधिक महत्व माँ से बढ़कर अन्य किसी का हो...? क्योंकि हर व्यक्ति के जीवन में माँ इस प्रकार से होती है जो सभी प्रकार के दुखों को सहन करते हुये अपने बच्चों के प्रति अपना जीवन न्यौछावर तक करने के लिये सबसे आगे खड़ी देखी जाती है। क्योंकि माँ सभी प्रकार के दुख सुख सहन करते हुये जिस प्रकार से अपने बच्चे को नौ माह तक गर्भ में रखने के बाद जब उसे जन्म देती है तो निश्चित तौर से माँ की जिन्दगी दांव पर लगने से नही चूकती है। वही अपने बच्चे के भरण पोषण के दौरान भले माँ भूखी प्यासी रह जावे मगर अपने बच्चें को कोई भी माँ चंद मिनिट भूखा नही देख सकती है। यदि बच्चें के पैर में कांटा लगता है तो दर्द माँ को होता है। क्योंकि माँ ही होती है जो अपने बच्चे के जीवन व खुशहाली के लिये अपनी जिन्दगी को दांव पर लगाने में पीछे नही हटती है और आज मदर्स डे पर माँ का स्नेह भरा आशीर्वाद मिलना निश्चित तौर से सबसे बड़ा सौभाग्य माना जाता है। क्योकि किसी भी बच्चें को संस्कारवान व आत्म निर्भर बनाने में उसकी माँ की भूमिका को ही महत्व पूर्ण माना गया है। जब किसी भी बच्चें का जीवन संकट में होता है तो उसकी माँ अपने बच्चें के जीवन के लिये पत्थर से भी टकराने के लिये तैयार हो जाती है। यही कारण है कि जब किसी भी बच्चें की रक्षा के लिये जब माँ खड़ी होती है तो काल भी उसके समीप आने के पहले अनेक बार सोचने के लिये मजबूर होने से नही चूकता है। क्योंकि माँ के न होने पर व्यक्ति का जीवन निराशा जनक बन जाता है। मगर जब किसी के ऊपर माँ की छत्रछाया नही होती है तो माँ की गैर मौजदूगी में कोई यह पूछने वाला तक नही होता है कि वह भूखा है कि प्यासा है। इसलिये हर व्यक्ति के जीवन में माँ का अलग ही महत्व होता है। यह बात अलग है कि कुछ लोग भौजिक बादी युग में अपनी माँ को भूलाकर अपनी बीबी व बच्चों के साथ सुखमय जीवन बीताते हुये माँ से दूर होते हुये जरूर देखे जाते है। मगर उन्हें वह सुखमय जीवन उपलब्ध कराने में माँ का ही महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस दुनियाँ में माँ से बढ़कर और कुछ नही होता है। जिस व्यक्ति के घर में माँ और पिता मौजूद रहते है उन लोगों को सबसे बड़ा तीर्थ घर में ही माना जाता है। क्योंकि जब भी माँ मंदिर जावेगी तो भगवान से सबसे पहले वह अपने बच्चे की खुशहाली की दुआये करते हुये देखी जावेगी। जिसके चलते हरिभूमि टीम ने आज मदर्स डे के अवसर पर जब आमजन से चर्चा की गई तो शहर के अनेक युवाओं की प्रतिक्रिया में अधिकतर किशोर व नौजबनों का

कहना था कि जीवन के संग्राम में उतरने से पहले उनके लिये माँ का आर्शीवाद ही सभी सुविधाएं, संबल, मार्ग दर्शन के साथ इस दुनिया दारी की समझ देते है उसके जरिये उनको जीवन में आगे बढ़ने की नई राहे मिल जाती है। क्योंकि दुनिया में किसी बच्चें को सही राह दिखाने वाली सदा ही उसकी माँ होती है जो हर परेशानियों को झेलते हुए बच्चें के भविष्य का उज्जबल बनाने में कोई कसर नही छोड़ती है। इस संबंध में नगर नर्मदा कालोनी निवासी कुमारी तपस्या कौरव का कहना है कि हर व्यक्ति के जीवन में माँ इस प्रकार से होती है जिसके बगैर बच्चें चलना भी नही सीख सकते है। क्योंकि भले ही उसके पिता काम की आपाधापी के दौरान उसके बेटी व बेटा की समस्याओं को भूल जावे मगर माँ कभी नही भूलती है और हर माँ का सपना रहता है कि उसकी बेटी सदा ही आगे बढ़कर दो कुलों का राम रोशन करे। क्योंकि बेटी के जीवन में माँ का महत्व संपूर्ण जीवन को व्यतीत करने का रास्ता दिखलता है। इसलिये आज में तो यही कहती हूं कि जिस बेटी को आज माँ का आर्शीवाद मिल रहा है वह दुनियाँ का सबसे बड़ा सौभाग्य शाली है। इसी प्रकार से नगर की इन्द्रा कालोनी निवासी कुमारी प्रतिभा कौरव का कहना है कि माँ का प्यार अनमोल व छत्र छाया यादगार होती है। हर व्यक्ति के जीवन में सदा ही माँ का आर्शीवाद मिलता रहे यह उसके लिये सबसे बड़ा सौभाग्य की बात मानी जा सकती है। भले ही हम कितने भी बडे हो जावे। मगर जब माँ का सिर पर हाथ पड़ताा है तो निश्चित तौर से अनोखा अहसास होता है। वह दुनियों मे और कही नही मिल सकता है। क्योंकि माँ जिस स्नेह से हम भाई बहिनों की परबरीश की है उसका ऋण उतारना तो मुश्किल है। बस जरूरी यह है कि में सदा उनका अदर सेवा करता रहे। आज मडर्स डे पर मँ सभी बेटा व बेटियों से यही आशा करती हू कि वह अपनी माँ की भावनाओं का सम्मान कर उन्हें उपहार के रूप में सपनों को साकार करने समर्पित होते हुए संकल्प ले कि कभी उनके द्वारा किये जाने वाले किसी भी कार्य से माँ की आंखू में आंसू न आये। इसी प्रकार से ग्राम महगंवा निवासी रितुराज का कहना है कि माँ निश्छलता, प्यार की प्रति मूर्ति होने के साथ साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुये जिस प्रकार से अपनी बेटियों का भविष्य संभारती है उसके चलते निश्चित तौर से बेटी अपने परिवार का नाम रोशन करने से नही चूकती है। इसलिये सदा ही हर बेटी को अपनी माँ की ममता का सम्मान करते हुये उसके द्वारा बताये गये कदमों पर चलकर माँ के आर्शीवाद का सम्मान करना चाहिये। वही नगर की विजय कालोनी निवासी आदित्य सिंह यादव का कहना है कि कोई भी माँ अपने बच्चों के भविष्य के लिए मुस्कारातेे हुए चिंतित रहती है कि कही मेरा बेटा किसी परेशानी में तो नही है। यदि बेटा किसी परेशानी में होता है तो माँ की अंतर आत्मा चंद निमिट में ही उसे इस बात का अहसास दिला देती है कि निश्चित तौर से बेटा किसी मुश्बित में है। इस प्रकार से हर व्यक्ति के जीवन में माँ एक भगवान के रूप में रहती है जो सदा ही अपने बच्चों को आर्शीवाद से भरा हुआ हाथ उनके सिर पर फेरने से नही चूकती है, यदि जिस बच्चें के ऊपर अपनी माँ का आर्शीवाद रहता है तो वह दुनियों की किसी भी शक्ति से संषर्घ करने में पीछे नही रह सकता है।

नेशनल लोक अदालत के माध्यम से अनेक प्रकरणों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन की निति रहती है कि लोग किसी तरह परेशान न हो और उन्हें न्याय मिल सके। इसी के चलते समय समय पर लोक आदलत का आयोजन किया जाता है। इसी प्रकार से बीते हुये शनिवार 11 मई को स्थानीय न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में गाडरवारा तहसील न्यायालय में जिला न्यायाधीश अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति गाडरवारा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश गण मा. डॉ० श्रीमती अंजली पारे, मा. सूरज सिंह राठोड, मा. श्रीमति आरती ढींगरा, मा.अश्विन परमार, मा. अजय सिंह यादव, मा. विनय सोनी, मा. श्रीमति शाम्भवी सिंह, मा. यश शर्मा के आलवा अधिवक्तासंघ अध्यक्ष डां. दिनेश चंद्र बुधौलिया, सचिव बसंत तपा एवं विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ओझा एवं अन्य अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी की गरिमामयी उपस्थिति में जिला न्यायाधीश मा. मनीष कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सिविल न्यायालय गाडरवारा में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। लोक अदालत हेतु गाडरवारा में गठित की गई 8

खण्डपीठों में कुल 7 मोटर दावा दुर्घटना प्रकरणों में राजीनामा के आधार पर 45,40,000/- रूपये के अवार्ड पारित हुए। इसके अलावा 25 विद्युत उर्जा से संबंधित न्यायालय में लंबित मामलों में तथा 11 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में सुलह समझौता के आधार पर निराकरण किया गया है। इस प्रकार लोक अदालत की 8 खण्डपीठों द्वारा कुल 127 विभिन्न आपराधिक, मोटर दुर्घटना, विद्युत से संबंधित मामलों का निराकरण एक ही दिन में किया गया। जिसमें 335 लोगों को लाभ मिला। प्रिलिटिगेशन विद्युत प्रकरण रखे गये थें 647 में से निराकृत हुये 11 राशि जमा हुई 70 हजार और लाभांवित हुये 22 व्यक्ति। इसी तरह बैक संबंधी कुल रखे गये कुल 3869 प्रकरण जिसमें निराकृत हुये 5 तथा राशि जमा हुई 1112000 व लाभांवित हुये 10 व्यक्ति, नगर पालिका संबंधी प्रकरणों में जल कर के 200 प्रकरणों में से निराकृत हुये 17 व राशि जमा हुई 31455 लाभांवित हुये 17 व्यक्ति, संपत्ति कर के कुल 200 प्रकरणों में से 8 प्रकरणों का निपटरा होने पर 258201 राशि जमा हुई और 8 लोगों को लाभ मिला, इसी प्रकार से पुलिस परामर्श केन्द्र से संबंधित कुल 30 प्रकरण रखे गये थे जिसमें 25 प्रकरणों का आपसी समझौता होने पर आयोजित लोक अदालत में अनेक प्रकरणों का निपटरा राजीनामा के तौर पर होने के चलते लोग अपने घरों को खुशी के साथ वापिस होते हुये देखे गये।वही जिन मामलों में समझौता हुआ उनके हितग्राहियों को वन विभाग द्वारा पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये विभिन्न प्रकार के पौधा वितरित करते हुये अपने खेतों में पौधा रोपण करने के लिये जागरूक किया गया।

कलयुग काल में माँ नर्मदाजी के दर्शन मात्र से भी मानव को पापों से मिल जाती है मुक्ति - वीरेन्द्र शास्त्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम सूखाखेरी पानी टंकी के पास 9 मई से 15 मई तक संगीतमय श्री माँ नर्मदा पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में कथा बाचक वीरेन्द्र शास्त्री ने माँ नर्मदाजी के महत्व को समझाते हुये बताया कि पुण्य सलिला मां नर्मदा मानव मात्र को मोक्ष प्रदान कर रही है। हम बडे ही सौभाग्य शाली है कि हमने माँ नर्मदाजी के क्षेत्र में जन्म लिया जिसके चलते हम लोगों को आये दिन माँ नर्मदाजी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। क्योंकि इस कलयुग काल में माँ नर्मदाजी के दर्शन मात्र से ही मानव को अपने पापों से मुक्त मिल जाती है। उन्होंने आगे कहा गया है कि माँ नर्मदा का एक-एक कंकर शंकर है। हर कंकर में भगवान भोलेनाथ विराजमान माँ नर्मदा व भगवान शंकर की आराधना करने वाले को कभी भी कष्ट नहीं उठाने पड़ते हैं। क्योंकि उनकी भक्ति में वह शक्ति है जो मनुष्य मात्र को ईश्वर से जोड़ देती है। माँ नर्मदाजी कोई साधारण नदी नही है। दुनिया की एकमात्र नदी है तो वह है माँ नर्मदाजी जो विपरित दिशा में प्रवाह करती है जिनकी लोग बडी ही आस्था के साथ परिक्रमा करते है। माँ नर्मदाजी के परिक्रमा के महत्व से अवगत कराते हुये बताया कि माँ नर्मदाजी की परिक्रमा का सही महत्व तभी माना जाता है कि जब परिक्रमावासी को प्रतिदन परिक्रमा के दौरान दर्शन होना चाहिये। वैसे तो सही परिक्रमा माँ नर्मदाजी के तट पर चलते हुये की जाती है। मगर किनारे किनारे नही हो पा रही है तो सुबह शाम नर्मदाजी तट पर पहुंचकर उनके दर्शन के साथ आरती होने के साथ साथ कम से कम प्रतिदन पांच घरों से भिक्षा मांगते हुये प्राप्त होने वाली भिक्षा से भोजन तैयार करते हुये ग्रहण करना परिक्रमा के महत्व में जरूरी होता है। मगर लोगों को देखा जाता है कि वह कहते है कि हम माँ नर्मदाजी की परिक्रमा पर जा रहे है और वह अपने सर्व सुविधायुक्त वाहनों के माध्य से इस शहर से निकलकर उस शहर पहुंचकर आलीशान होटलों में अनेक प्रकार के भोजन करते हुये अपनी परिक्रमा के दौरान सुबह शाम की बात दूर कई दिनों तक माँ नर्मदाजी के दर्शन तक नही करते है और कहते है कि हमने परिक्रमा पूरी कर ली गई। अब इस तरह पूरी सुविधाओ के साथ की गई परिक्रमा करना कहा तक उचित माना जा सकता है? खैर जिसकी जैसी भावना उसे वही जाने..। इस समय देखा जा रहा है कि लोग धनवान होने के चलते अपनी संपत्ति के माध्यम इस तरह की वस्तुओं को खरीद लेते है जिनके उपयोग से दूसरों को परेशानी पैदा होने से नही चूकती है, कभी भी अपनी संपत्ति का सदुपयोग करना चाहिए। जिन- जिन ने इन दोनों का सदुपयोग नहीं किया तो उन्हे दर-दर की ठोकरें खाना पड़ी। इसलिए समय और संपत्ति का हमेशा सदुपयोग करना चाहिए। माँ नर्मदा जी कोई नदी ही नहीं है, बल्कि वह तो मां का साक्षात स्वरूप है। इसलिए नर्मदेश्वर भगवान का जो पूजन करते है। उसका उद्धार हो जाता है।

कांक्रीट मेटेरियल के दाम बढ़ने से हितग्राही परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस प्रकार से केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी जिससे निश्चित ही उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान आते हुए देखी जा रही थी जो कभी सपने में अपने कच्चे मकानों को तोड़कर पक्के बनाने की सोच भी नही सकते थें, मगर इस योजना ने कच्चे आवासों में रहने वाले गरीबों को जो रहात प्रदान की गई है निश्चित ही उल्लेखनीय मानी जा रही है। मगर जब इस योजना की शुरूआत हुई थी उस समय भवन निर्माण करने वाली हर सामग्री की कीमत उतनी नही थी जो वर्तमान में चल रही है, मगर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौरान में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्धारित की गई राशि से वर्तमान समय में गरीबों को अपने

आवासों का निर्माण कर पाना मुश्किल दिखाई देने लगा है। इस समय देखा जावे तो शहर में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आने वाल हितग्राहियों के आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है और हितग्राही इस काम के लिए मिली राशि से बारिश का मौसम आने के पहले अपने आशियानो का निर्माण करने के लिए उतावले होते हुए देखे जा रहे है किन्तु देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोहा, सीमेन्ट व रेत सहित अन्य निर्माण सामग्री के दामों में लगातार हो रहे इजाफे से गरीब परेशानी में पड़ने से नही चूक रहे है, जिसके चलते हितग्राहियों का कहना है कि मकान बनाने में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाले लोहे की कीमत में उछाल होने से जहां परेशानी हो रही है, वही दूसरी ओर शासन द्वारा निर्धारित की गई राशि में अपने आवासों का कार्य पूर्ण करना मुश्कि में आते हुए देखा जा रहा है।

संगीतमय श्रीमद्भागवत में हो रही भक्तिरस की वर्षा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय निरंजन वार्ड चिरहकलां रोड वेयर हाउस के सामने चल रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि उक्त आयोजन में श्रीमद भागवत कथा के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई तथा कथा के सातों दिन वृंदावन की कथा वाचिका श्री देवी अनामिका ने संगीतमय श्रीमद भागवत कथा सुनाते हुए भगवान कृष्ण जन्म से लेकर उनकी बाल लीलाओं, पूतना वध, कंश वध, कालिया मर्दन, रुक्मणि विवाह, सुदामा मिलन सहित अनेक लीलाओं का वर्णन सुनाया। इस दौरान उन्होंने कथा में बताया कि श्रीमद भागवत कथा सुनने से पुण्य लाभ मिलता है। वही हमें अपने बच्चों को इस तरह के संस्कार देना चाहिये जिससे वह सनातन की रक्षा करते हुये लोगों का भला कर सके। इस तरह बच्चों को सुसंस्कार देने का संदेश देते हुए कहा कि उन्हें मोबाइल संस्कृति से बाहर निकालकर सनातन संस्कृति की शिक्षा देनी चाहिए। हमारे जीवन मे गुरु का महत्त्व बहुत है उनकी महिमा अपरंपार है एवं गुरु के आशीष के सहारे ही जीवन में सफलता पूर्वक आगे बढ़ा जा सकता है।

कोठिया पंचायत में लाखों खर्च होने के बाद भी देखा जा रहा नालियों का अभाव

हरिभूमि न्यूज/कौंड़िया। सरकार द्वारा लगातार विकास की गंगा बहाई जा रही है, मगर इसके बाद भी ग्रामीणों को जिस प्रकार से परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है उसके चलते सरकार की विकासवादी सोच पर ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी नही रही है। इस बात की सच्चाई जनप पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोठिया में आसानी से देखी जा रही है, जहां पर लाखों रूपया की हर वर्ष राशि खर्च होने के बाद भी लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर ग्राम मे अंदर नालियों का निर्माण नही होने के कारण लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर बहने से सरकार के स्वच्छता अभियान को भी ग्रहण लगने से नही चूक रहा है, इस सच्चाई के चलते जहां पंचायत की उदासीन कार्य प्रणाली उजागर होते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर ग्राम विकास के नाम पर पंचायत द्वारा खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई भी संदेह के घेरे में आने से नही बच पा रही है?

वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों के मशीन में फिंगर नही आने से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है। यह बात अलग है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है? आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है। देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा इन योजनाओं की राशि अनेकों माह तक बैंकों में ही पड़ी रहती है और हितग्राही इस राशि को पाने के लिये भटकते रहते हैं। क्योंकि शासन की योजना के तहत इन वृद्धों की पेंशन राशि का भुगतान के लिये उनके खाते आधार से लिंग किये गये है। मगर अनेक वृद्वजनों के अब भुगतान मशीन में फिंगर सही रूप से नही आने के कारण पेंशन राशि के भुगतान से बंचित हो रहे है। इस प्रकार से वृद्वजनों की बीते हुये कई महिनों से पेंशन राशि बैक खातों में ही पड़ी है और उसका हितग्राही कोई लाभ नही ले पा रहे है।

क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध रूप से पशुओं की तस्करी, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली कही जावे या फिर इस तरह पशुओं पर अत्याचार करने वालों के ऊपर प्रभावशालियों का हाथ होने के चलते इस प्रकार के पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़ियों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है। गौर किया जावे तो इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से प्रशासन के अधिकारियों की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है? यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने? मगर पशुओं की लगातार हो रही तस्करी से पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए नजर आ रहा है।

खबर संक्षेप

शहपुरा नगर के सीसीटीवी कैमरे बने शोपीस

शहपुरा। सुरक्षा के मद्देनजर रखते हुए शहर के प्रमुख चैराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी लगाए गए हैं लेकिन सीसीटीवी कैमरे शोपीस बनकर रह गए हैं। इनकी मरम्मत कराने में पुलिस महकमा उदासीन बना हुआ है। ऐसे में शहर में कोई बड़ी वारदात हो जाए तो अपराधियों की शिनाख्त करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाएगा। जिस उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, उसका मकसद पूरा नहीं हो पा रहा है। शहपुरा नगर में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा नगर के मुख्य बस स्टैंड चैराहा, उमरिया नाका चैराहा, बटौंधा चैराहे पर सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। लेकिन इसमें से पूरे के पूरे कैमरे जमीन या आसमान की ओर निगहबानी कर रहे है। लेकिन यह वर्तमान में खराब पड़े हुए हैं।

नगर में लगातार बड़ रहे चोरी की वारदात

डिंडोरी। जिला के शहपुरा थाना क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें बढ़ रही है लेकिन शाहपुरा पुलिस हाथ अभी भी खाली है यदि सीसीटीवी कैमरे जो की तीसरी आंख मानी जाती है यह चालू होती तो कहीं ना कहीं इन चोरों की कुछ तो सुराग लग सकता था लेकिन जब इस सीसीटीवी कैमरे की जिम्मेदारी को लेकर पुलिस थाना शहपुरा की जिम्मेदार अधिकारी से बात की गई तो उनके द्वारा गोल-गोल जवाब देते हुए नजर आए और अपने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए यह कह दिया गया कि यह जिम्मेदारी नगर परिषद की है जब नगर परिषद के अधिकारी से सीसीटीवी कैमरे की निगरानी सुरक्षा को लेकर बात की गई तो उनके द्वारा भी यह कह दिया गया कि यह जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है जब इस तरह के जिम्मेदार अधिकारी अपने जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ेंगे तो जनता की सुरक्षा क्या होगा।

नगर में लगातार मोटरसाइकिल होंडा कंपनी की हुई रही चोरी

शहपुरा थाना में लगातार मोटरसाइकिलों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज हो रही है और अभी तक शहपुरा पुलिस के हाथ चोरों से काफी दूर है।

कलेक्टर ने सिविल लाइन स्थित बाल उद्यान के जीर्णोद्धार कार्यों का किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने नगर परिषद डिंडोरी के सिविल लाइन कॉलोनी में स्थित श्री हरि त्र्यंबकेश्वर महादेव बाल उद्यान के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान के लिए की जा रही पेयजल, बच्चों के लिए झूले, लाइट्स, मैदान आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उद्यान का कार्य प्रगतिशील है और आवश्यकतानुसार सुधार किया जा रहा है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जीर्णोद्धार कार्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

जिले के 8 फीडरों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि उप संभाग अनूपपुर एवं उप संभाग राजेन्द्रग्राम के विद्युत लाइनों का अति आवश्यक मानसून पूर्व मेंटेनेंस कार्य किया जाना है, जिसके कारण इन विद्युत लाइनों में विद्युत प्रवाह अवरूद्ध रहेगा। उन्होंने बताया है कि 12 मई को प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक उप संभाग अनूपपुर के 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अनूपपुर, 11 के.व्ही. कोलमी फीडर, 11 के.व्ही. छुलहा फीडर, 11 के.व्ही. जैतहरी टाउन फीडर, 11 के.व्ही. वेंकटनगर फीडर, 11 के.व्ही. जकीरा फीडर तथा 11 के.व्ही. केल्हौरी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी।

शादी का झांसा देकर अपने अधीनस्थ कार्यरत स्टॉफ नर्स से बलात्कार

मारपीट करने वाले डॉक्टर को 3 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

शहपुरा

मीडिया सेल प्रभारी डिण्डौरी मनोज कुमार वर्मा, अभियोजन अधिकारी द्वारा बताया गया कि, थाना शहपुरा के के आरोपी सुरेन्द्र शाक्य पिता मांगीलाल उम्र 36 वर्ष पेशा डॉक्टर निवासी चंद्रनगर ग्वालियर द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारी से शादी का झांसा देकर बार बार बलात्कार करने एवं बाद में शादी करने से मना करने मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश, डिण्डौरी द्वारा आरोपी सुरेन्द्र शाक्य पिता मांगीलाल उम्र 36 वर्ष पेशा डॉक्टर निवासी चंद्रनगर ग्वालियर को धारा 325 भादवि के अपराध के लिए 03 वर्ष सश्रम कारावास एवं 5000 रूपये अर्थदण्ड के दण्ड से दण्डित किया गया । अर्थदण्ड की राशि अदा नहीं किए जाने पर 06 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगताये जाने का आदेश पारित किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है, प्रार्थिया ने थाना उपस्थित होकर लिखित रिपार्ट दर्ज कराई कि मैं पाठक वार्ड नरसिंहपुर थाना कोतवाली की रहने वाली हूं, मेरी सन 2014 मे स्वास्थ्य विभाग डिण्डौरी में नर्स के पद पर भर्ती हुयी थी, 2014 से 2020 तक मैं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोहानी देवरी शहपुरा जिला डिण्डौरी के पास शासकीय क्वार्टर मे निवास करती थी, फरवरी 2020 मे मैने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है । नवंबर 2017 मे डाक्टर सुरेंद्र शाक्य की नियुक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोहानी देवरी शहपुरा जिला डिण्डौरी मे हुयी थी, जनवरी 2018 से सुरेंद्र शाक्य मेरे शासकीय आवास देवरी शहपुरा जिला डिण्डौरी मे रहने लगा। सुरेंद्र शाक्य ने मुझे शादी का प्रलोभन देकर 18 मार्च 2018 को मेरे ही कमरे पर जबरजस्ती मेरे साथ बलात्कार किया और 18 फरवरी 2020 तक लगातार मेरे निवास स्थान प्राथ0 स्वा0 केंद्र कोहानी देवरी के शासकीय क्वार्टर मे मेरे साथ रहा और शारिरिक शोषण करता रहा मैने कई बार मना किया लेकिन सुरेंद्र नही माना। फरवरी 2020 मे सुरेंद्र की नियुक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहना जिला ग्वालियर हो गयी थी, सुरेंद्र मुझे छोडकर ग्वालियर चला गया। मेरा नंबर उसने ब्लैकलिस्ट मे डाल दिया मै सुरेंद्र से मिलने ग्वालियर आ गयी, सुरेंद्र का घर चंदननगर ग्वालियर मे है सुरेंद्र ने मुझे रखने से मना कर दिया है। सुरेंद्र ने मुझे कहा कि तुम अपने घर वापस चली जाओ, मै तुमसे शादी नही कर सकता हूं, अक्टूबर 2019 मे मेरे निवास स्थान शासकीय क्वार्टर कोहानी देवरी में मेरे साथ मारपीट की थी जिसमे मेरे दो माह का गर्भ गिर गया था। मैने उस समय कोहानी अस्पताल मे अपना ईलाज करवाया था और मारपीट के दौरान मेरी नाक की हडडी भी टूट गयी थी, सुरेंद्र मुझे धमकाता था कि तुम छोटी पोस्ट पर हो सुरेंद्र शक्य मार्च 2018 से 18 फरवरी 2020 तक लगातार मेरा शारीरिक शोषण कर जान से मारने की धमकी देता था, सुरेंद्र शाक्य के खिलाफ बलात्कार की एफआईआर लेख कर कार्यवाही करे । रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । विवेचना में संकलित साक्ष्य के आधार पर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । तदुपरांत अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुए माननीय न्यायालय सत्र न्यायाधीश डिण्डौरी द्वारा उपरोक्तानुसार दण्ड से दण्डित किया गया ।

गुरुवार से लापता किशोरी का शव शनिवार को कुए में उतराता मिला

मेंहदवानी। पुलिस थाना मेंहदवानी के ग्राम पायली में शनिवार को कुएं में किशोरी का शव उतराता मिला है। जानकारी के अनुसार मृतिका का नाम उपास्ति पिता गुलाब सिंह उम्र लगभग 18 वर्ष है। परिजनों ने बताया कि मृतिका गुरुवार को घर में मोबाइल छोड़कर कहीं चली गई थी जब देर रात्रि तक नहीं लौटी तो परिजन नाते रिश्तेदारों के यहां खोज खबर ले रहे थे। शनिवार को किसी ने जानकारी दी कि सुखसेन के कुंए में लड़की का शव उतरा रहा है जिसकी शिनाख्त किशोरी उपास्ति के रूप में हुई। परिजनों ने इसकी सूचना मेंहदवानी पुलिस को दी। पुलिस ने सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर मौके पर पहुंच गई और पंचनामा की कार्यवाही कर शव को कुएं से बाहर निकलवाया जिसे शव परीक्षण के लिए मर्चुरी लाया गया जहां देर शाम महिला चिकित्सक के द्वारा शव परीक्षण किया गया इसके उपरांत अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया गया। गुरुवार से लापता किशोरी का शव शनिवार को कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है और लोग तरह तरह के कयास लगा रहे हैं। बहरहाल शव परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। मेंहदवानी पुलिस जांच कर रही है।

बजाग थाना के मरम्मत कार्य के नाम पर खानापूर्ति कर रहा ठेकेदार

लगभग 33 लाख रुपए की भारी भरकम राशि से हो रहा है मेंटनेंस का कार्य

डिंडौरी। बजाग में स्थित थाना बजाग का इन दिनों जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जिसमें हाउसिंग बोर्ड विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही और मनमानी के चलते घटिया सामग्री से थाना को रंग रोहन करने का प्रयास किया जा रहा है। थाना की बिल्डिंग को दीवारों के प्लास्टर के नाम पर थिगरा पट्टी की जा रही है। गुणवत्ता हीन सामग्री का उपयोग करके प्लास्टर और पुट्टी की जा रही है। भीषण गर्मी के समय में प्लास्टर करने के बाद सिंचाई भी विभागीय अमला और ठेकेदार द्वारा नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा थाना की बिल्डिंग में लाईट और इलेक्ट्रॉनिक समानों का भी मेंटनेंस करना है पर अपनी जेब गरम करने के चक्कर में ठेकेदार और हाउसिंग बोर्ड का विभागीय अमला घटिया सामग्री का उपयोग करते हुए मनमानी पूर्वक कार्य को अंजाम दे रहा है। अब देखना यह है कि इस तरह की लापरवाही और मनमानी पूर्वक कार्य पर विभागीय तकनीकी अमला कार्य में सुधार करता है या कमीशन के दम पर इस तरह के घटिया काम कर निकलने वाले ठेकेदार को भुगतान कर जेब गरम करने की प्रक्रिया की जाएगी।

रेवा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में रेवा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के द्वारा किया गया। कलेक्टर ने डैम घाट में आयोजित कैंप में भाग लिया, और लोगों से स्वास्थ्य के सम्बन्ध में चर्चा की। स्वास्थ्य कैंप के माध्यम से जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों के द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रत्येक जनपद पंचायत में कुपोषण के खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है, जिसके द्वारा स्वास्थ्य के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं।स्वास्थ्य कैंप के तहत जिम्मेवार विभाग कुपोषण को दूर करने में अपनी अपनी मुख्य भूमिका निभाते है, आयुष विभाग के द्वारा बच्चों को पोषण आपूर्ति कराने के लिए सुपोष्टीक चूर्ण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें अश्वगंधा, सतावर, शुन्टी, मधुयष्टि को छीरपाक विधि से तैयार कर बनाया जाता है, इस सुपोष्टीक चूर्ण से बच्चों के वजन में वृद्धि साथ ही याददाश्त, शीत, उदर,सर्दी आदि रोगों से बचाव में उपयोगी है। आयुष विभाग कुपोषित बच्चों के लिए झीरबला तेल भी प्रदान करता है जिससे बच्चों की मांसपेशियाँ मजबूत होती है, साथ ही स्वर्णप्राशन से भी कुपोषण दूर करने में मदद मिल रही है। इसके अलावा आयुष विभाग द्वारा वात रोग, उदर रोग, मधुमेह, कास श्वास, एनीमिया, ज्वर, श्वेतप्रदर आदि रोगों लिए भी कैंप के तहत उपचार उपलब्ध कर रहा है। इसी प्रकार महिला बाल विकास के द्वारा आँगनवाड़ीओं के माध्यम से वितरित किये जाने वाला महुआलाटा पाउडर कुपोषित बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा है, महुआलाटा पाउडर का निर्माण महुआ, रमतीला, अलसी, चना, मक्का, गुड़, मूंगफली, तिल को मिलाकर करते है जिससे बच्चों के वजन में वृद्धि होती है साथ ही पाचन प्रक्रिया दुरुस्त रहती है। सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह ने सरईमाल, समनापुर, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी ने सिलढार, मेंहदवानी,और एसडीएम बजाग श्री आर पी तिवारी ने ढाडपथरा,करंजिया पहुँच कर कैंप की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आज आयोजित रेवा कैंपों में कुल 1319 लोग लाभान्वित हुए, जिनमें से 60 बच्चे कुपोषित श्रेणी में चिन्हित किये गए। वार्ड नं. 8 नर्मदा मंदिर डेम घाट डिंडौरी में 98, ग्राम पंचायत नारायणडीह रैयत डिंडौरी में 151, वार्ड नं. 2 कृषि उपज मंडी शहपुरा में 122, ग्राम पंचायत पोंडी शहपुरा में 175, ग्राम पंचायत मनौरी जनपद पंचायत अमरपुर में 133, ग्राम पंचायत सुनियामार जनपद पंचायत बजाग 132, ग्राम पंचायत ढाडपथरा जनपद पंचायत करंजिया 249, ग्राम पंचायत सिलढार जनपद पंचायत मेंहदवानी 121, ग्राम पंचायत सरई माल जनपद पंचायत समनापुर में 138 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

संस्कार समर कैंप का शुभारम्भ

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में आज दीदी कैफे में संस्कार समर कैम्प का शुभारम्भ हुआ, कैंप के तहत विशेष रूप से प्रति शनिवार को फन विजिट और रविवार को मूवी शो का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । इसी क्रम में आज शनिवार को फन डे के रूप में मनाया गया। कैंप के प्रारम्भ में सभी विषय विशेषज्ञ से बच्चों का परिचय कराया गया, उन्होंने बच्चों कों विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी दी।

कैंप में बच्चों से इंग्लिश स्पोकन, ऐरोबिक, तबला वादन, हारमोनियम वादन, योगा और डांस एक्टिविटी आयोजित की गयी, कैंप के तहत कुल 100 बच्चों का पंजीयन किया गया।

"संस्कार समर कैंप" में बच्चों के लिए विभिन्न विधाएं शामिल की गई है, जिसमें डांस, मेंहदी, पेंटिंग, क्रॉफ्ट, ब्यूटीशियन, सांस्कृतिक नृत्य, सिंगिंग, प्ले म्यूजिक (हारमोनियम, ढोलक, तबला), ज्वेलरी मेकिंग, कबाड़ से जुगाड, लेखन - हिंदी अंग्रेजी, स्पोकन इंग्लिश, योगा, एरोबिक, पर्सनालिटी डेवलपमेंट शामिल है। कोई भी बच्चा चार विधाओं को सीख सकता है। कल संडे को बच्चों के लिए फिल्म का प्रदर्शन कराया जाएगा।

मनौरी गांव में रेवा कैंप का किया गया आयोजन बीमार मरीजों का किया गया उपचार

डिंडौरी। जिले के अमरपुर विकासखंड के मनौरी गांव में शनिवार को कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर रेवा कैंप का आयोजन किया गया जहां बीमार मरीजों का उपचार किया गया। दरअसल डिंडौरी जिले में बीमार मरीजों के लिए विशेष अभियान चलाते हुए रेवा कैंप का आयोजन किया गया रेवा कैंप के दौरान बीमार मरीजों का उपचार करते हुए मरीजों को निशुल्क दवा का वितरण किया गया ।

-मनौरी गांव में रेवा कैंप का किया गया आयोजन बीमार मरीजों का किया गया उपचार

डिंडौरे के अमरपुर विकासखंड के मनौरी गांव में शनिवार को कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर रेवा कैंप का आयोजन किया गया जहां बीमार मरीजों का उपचार किया गया । दरअसल डिंडौरी जिले में बीमार मरीजों के लिए विशेष अभियान चलाते हुए रेवा कैंप का आयोजन किया गया रेवा कैंप के दौरान बीमार मरीजों का उपचार करते हुए मरीजों को निशुल्क दवा का वितरण किया गया ।

बघर्रा में मृत मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जुटी जांच में

नूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को ग्राम बघर्रा में अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस अधिकारियों सहित डॉग स्क्वॉयड और एफएसएल की टीम पहुंचकर जांच प्रारंभ की। बताया गया कि राजेंद्र ग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम बघर्रा के बदरी के जंगल में अज्ञात लगभग 30 वर्षीय युवक का शव ग्रामीणों के द्वारा देखे जाने के पश्चात मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर एफएसएल डॉग स्क्वॉड की टीम के द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच प्रारंभ की। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक के शरीर में कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्रथम दृष्टया देखने पर मृतक कोई विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है। संभवतः जिसकी मौत लू लगने की वजह से या फिर भूखे रहने की वजह से हुई होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के पश्चात यह स्पष्ट हो पाएगा। राजेंद्रग्राम पुलिस के द्वारा मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच प्रारंभ की गई है।

ग्रामीणों ने एसईसीएल पर आश्वासन देकर काम न करने का लगाया

हरद के ग्रामीणों ने कलेक्टर से की लिखित शिकायत

जमुना/बदरा। ग्राम पंचायत हरद के सरपंच ग्रामवासियों द्वारा जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि एचआरसी एवं एम बिड कंपनी दोनो मिलकर ऐश फिलिंग का कार्य कर रही है। ग्राम हरद से बदरा कोतमा आने जाने वाली मात्र एक ही रास्ता है। 40 टन की गाड़ियाँ उस रास्ते से अधिक तेज चलाकर बार-बार आने-जाने से रास्ते में बड़े- बड़े गढ्ढे हो गये है। जिससे आमजन व्यक्तियों एवं महिलाओ, स्कूली बच्चो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है गढ्ढे होने से कई लोगो को चोटे आई है गाड़ियों से भरे डस्ट जब खाली करते या उस रास्ते से गुजरते है तो स्कूली बच्चे एवं आमजन को सॉस लेने में भी काफी दिक्कत आती है। उस रास्ते एवं जहाँ खाली कर रहे है वहाँ अच्छी तरह से सिंचाई की भी सुविधा नहीं है जिससे डस्ट बादल की कोहरे की तरह उड़कर गाँवों तक पहुँचता है ठेकेदारो की मनमानी रवैए से गाँव वाले एवं आमजन आक्रोशित है। जिसके लिए आने-जाने वाले रास्ते को बनवाने का कष्ट करें,उड़ रहे डस्ट में बार-बार पानी की सिंचाई करवाई जाए साथ ही दोनो कंपनी में जो कि सिर्फ बाहरी लोगो की ही भर्तिया कर रहे है वो गाँव के लोगों को भी प्राथमिकता दे।ग्रामवासियों का कहना है कि ल्फउ एवं ट इ्र किंपनी के द्वारा कोई सुविधा नहीं दिया जा रहा है जिससे ग्राम हरद का वातावरण प्रदूषित हो रहा है लोग बिमारियों का शिकार हो रहे है नल जल योजना सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा है क्योंकि उनके द्वारा हमारे ही गाँव के ट्रांसफार्मर से कनेक्शन कर पम्प एवं बिजली चलाया जा रहा है उसे तत्काल बंद करवाया जाये।

ग्रामवासियों ने की मांग

हरद के ग्रामवासियों द्वारा उमा स्कूल जो एसईसीएल द्वारा बनवाया गया था, वह आज की स्थिति में पूरी तरह जर्जर है उसके स्थान पर नया भवन निर्माण कराए जाने, पूर्व में एसईसीएल के द्वारा हरद से बदरा पहुँच मार्ग रोड बनवाया गया था वह भी आज की स्थिति में पूरी तरह गड्ढा युक्त हो गया है जिससे लोगो को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है उसे रिपेयरिंग करवाने ग्राम हरद झोरकी टोला में सबमर्शियल पम्प लगवाने तालाब में घाट निर्माण कराये जाने के साथ ही जहां ऐश फिलिंग का कार्य चल रहा है।

खबर संक्षेप

बाइक बचाने के चक्कर में ट्रेक्टर से भरा ट्राला पलटा

तेंदूखेड़ा- इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं का दौर रूक नहीं पर रहा है आयेदिन बड़े बड़े हादसे होना खून से सनती सड़के अब आम बात हो गई है। फिर भी जबाबदार पक्षों द्वारा सुरक्षा की दिशा मे आज तक कोई उचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है। शनिवार की सुबह एक ट्रेक्टर से लदा ट्राला क्रमांक एच आर-बी ऐ-00139 विलगुंवा के समीप उस समय अचानक पलट गया जब अचानक दो मोटर साइकिलें सामने तरफ आ गई उन्हें बचाने के चक्कर में असंतुलित होकर वह पलट गया। ट्राला भोपाल से ट्रेक्टर लेकर पटना बिहार जा रहा था। ट्राला चालक अवधेश कुशवाहा थाना तरबसुजान खुशी नगर उ.प्र,को गंभीर चोटें आने की स्थिति में उसे पहले समीप रोंसरा अस्पताल ले गए बाद में नरसिंहपुर रिफर कर दिया गया है। वहीं परिचालक विकास कुशवाहा खुशी नगर को भी हल्की फुल्की चोट लगी है।

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी

तेंदूखेड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा भगवान भरोसे चल रहा है। पूर्व से ही जहां डाक्टरों की कमी चल रही थी वहीं तीन डाक्टर और चले जाने से अब मात्र दो डाक्टरों के भरोसे ही अस्पताल चल रही है।इनमे एक डाक्टर का असमय निधन हो जाने तथा एक डाक्टर का प्रोमोशन हो जाने के चलते भोपाल चले जाने तथा एक का बान्ड पूर्ण हो जाने की स्थिति मे उक्त तीन डाक्टरों की कमी अस्पताल मे बनीं हुई है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के चलते जहां प्रतिदिन अस्पताल मे मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं डाक्टरों की कमी के चलते गंभीर स्थिति बनी हुई है। पूर्व से स्वीकृत 23 पदों में 09 पद रिक्त पड़े हुए हैं। इनमें चिकित्सा विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ की एक एक की जरूरत है लेकिन पद खाली पड़े हुए हैं। साथ ही ओप्थेलमिक अस्सिटेंड, लेखापाल लेव सहायक ड्रेसर ओटी सहायक एक एक की जरूरत है वह भी खाली पड़े हुयें है। वाडवाय जहां दो चाहिए वहां मात्र एक ही है। वाहन चालक है ही नहीं। अस्पताल में चिकित्सा अधिकारी पांच है जो एक बंध पत्र चिकित्सक दो संविदा और दो रेग्युलर एक आयुष चिकित्सक 08 स्टाप नर्स एक लैव टेक्नीशियन एक रेडियो ग्राफर एक फार्मासिस्ट तैनात हैं। शेष पद रिक्त पड़े हुए हैं।

आई सी यू वार्ड तैयार लेकिन चलाने वाले विशेषज्ञ नहीं

कोविड काल की तैयारियों और नगण्य स्वास्थ्य सुविधाओं का खामियाजा लगभग हर परिवार ने भोगा है। जिसे लेकर सरकार ने अब हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गहन चिकित्सा कक्ष बनाने का निर्णय लिया है।कोविड काल में अपनी महती भूमिका निभाने वाली तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी 12 वेड गहन चिकित्सा कक्ष बन भी चुके है। चूंकि काम ऊपर से निर्धारित हुए ठेकेदार ने करवाया है।छुट पुट व्यवस्थाओं को छोड़कर काम हो भी चुका है। नौ वेड एक साथ और तीन वेड जनरल वार्ड में जगह के मान से स्थापित किए गए हैं।कक्ष बनकर तो तैयार है लेकिन इसे चलायेगा कौन। चूंकि इसे चलाने के लिए सुरक्षा गार्ड के कर्मी नहीं वरन एम डी डाक्टरों की आवश्यकता हुआ करती है और तेंदूखेड़ा की सरकारी अस्पताल स्वास्थ्य कर्मियों के नाम से अछूती है। यहां पर सीखने वाले वांड डाक्टर भेजकर केवल खानापूर्ति की जा रही है। कुछ संविदा डाक्टर और आयुष डाक्टर के कारण अस्पताल चल पा रही है नहीं तो भगवान ही मालिक है। सोचनीय विषय तो यह बना हुआ है कि भीषण गंभीर दुर्घटनाओं के समय उक्त स्टाप ही अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने तत्पर बना रहता है।

सिविल अस्पताल की जरूरत

तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित 30 वेड वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा को अब सिविल अस्पताल बनाये जाने की जरूरत है। बढ़ती मरीजों की संख्या प्रसूति महिलाओं और दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल में जहां जगह कम पड़ने लगी है वहीं सुविधाओं के विस्तार की महती आवश्यकता है। अस्पताल में माननीयों द्वारा अपनी निधि से प्रदाय की गई सामग्री को रखने के लिए उचित व्यवस्था ना होने के कारण सामग्री बाहन इत्यादि खराब हो रहे हैं।

प्रसूति महिलाओं को हमेशा करना पड़ता है रिफर

एक तरफ जहां महिला सशक्तिकरण से लेकर शासन द्वारा महिलाओं के हितों को लेकर लाडली बहिना योजना चलाकर प्रदेश में पुनः सरकार बनाई है। लेकिन लाडली बहिनें प्रसूति के समय जीवन और मृत्यु के बीच किस तरह से संघर्ष करतीं हैं उनके उपचार हेतु महिला विशेषज्ञ डाक्टर ना होने की स्थिति में गंभीर स्थिति वाली महिलाओं को तत्काल प्रभाव से जिला चिकित्सालय भेजना पड़ता है। त्वरित इलाज के अभाव में महिलाओं को कितना संघर्ष करना पड़ता है। पीड़ितों के परिवार ही बता सकतें हैं। वर्तमान में यहां पर पदस्थ महिला स्टाफ नर्सों और ठेकेदार व्यवस्था के तहत लगी दाई के माध्यम से ही काम चलाना पड़ता है।जो दिन रात सेवाओं में संलग्न देखी जाती है।

पड़ोसी जिलों की भी आती है प्रसूतायें

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में औसतन साठ से सत्तर डिलेवरी यहां पर हुआ करती है। जिसमें सागर रायसेन जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों के लोग भी मुख्य रुप से सुविधा की दृष्टि से यहां पर आते हैं लेकिन परेशानी जब बढ़ जाती है तब कोई महिला लाते समय गंभीर स्थिति में पहुंच जाती है ऐसे समय में महिला विशेषज्ञ डाक्टर की नितांत आवश्यकता होती है। त्वरित फिर उसे ऐम्वुलेंस बाहन सेवा से फिर साठ किलोमीटर दूर नरसिंहपुर भेजना पड़ता है। कभी कभार तो ऐम्वुलेंस बाहन सेवा आस पास हुआ करती है तो मिल जाया करती है नहीं तो काल करके उसे बुलाने से लेकर पहुंचने तक घंटों लग जाते हैं ऐसी स्थिति में प्रसूतिकाओं की गंभीर स्थिति बन जाती है। असली समस्या तो उन पीड़ित परिवारों की बनतीं है जो केवल आशा विश्वास के साथ छोटे छोटे बच्चों को साथ लेकर चले आते हैं। गंभीर स्थिति में महिलाओं को उठानें लिटाने तक में अस्पताल कर्मियों को ही परेशान होना पड़ता है।

महिला विशेषज्ञ डाक्टर की नहीं हो सकी व्यवस्था

सोचनीय विषय तो यह बना हुआ है कि अस्सी हजार से अधिक महिलाओं के बीच एक भी महिला विशेषज्ञ डाक्टर नहीं है और यह व्यवस्था चालीस से साठ किलोमीटर के बीच कहीं भी नहीं है। महिलाओं को जबलपुर भोपाल नागपुर के अलावा नरसिंहपुर जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। यहां तक की सोनोग्राफी करवाने के लिए भी नरसिंहपुर या अन्य जगह आना जाना पड़ता है। पिछले कई दशकों से यहां पर महिला विशेषज्ञ चिकित्सक की मांग चली आ रही है लेकिन इस व्यवस्था पर आज तक ध्यान नहीं दिया गया। महिलाओं ने हमारे प्रतिनिधि को बताया है कि तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला विशेषज्ञ डाक्टर की शीघ्र सुविधा उपलब्ध कराई जाये।

दो बाईक की आपस में टक्कर, पांच घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरिया प्रतीक्षालय के पास शुक्रवार रात एक सड़क हादसा हो गया। जहां 2 बाइक आपस में टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी की 5 लोग घायल हो गए। जिसके बाद घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां 2 लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात एक बाइक में 3 लोग व एक बाइक में 2 लोग सवार होकर कहीं जा रहे थे। जब वह पिपरिया ग्राम के प्रतीक्षालय के समीप पहुंचे तो आपस में दोनों बाइकों में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में गोपाल उइके पिता सियाराम उइके निवासी आमाखोय, बंदना उइके पति गोपाल उइके, कन्हैया मसराम पिता मस्तलाल मसराम, रवीना एवं ज्ञानवती घायल हो गई। घटना की जानकारी प्रत्यक्ष दर्शियों ने घंसौर पुलिस और 108 वाहन में दी। जिसके बाद घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 2 लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घटनाक्रम जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसा कैसे हुआ । सिवनी पुलिस वाहन चालकों से लगातार अपील कर रही है कि सावधानी पूर्वक वाहन चलाएं, बाइक चलाते समय हेलमेट लगाएं। बावजूद इसके लोग लापरवाही बरत रहे हैं और हादसे का शिकार हो रहे हैं।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में विश्व प्रवासी पक्षी दिवस मनाया

नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा आज 11 मई 2024 को विश्व प्रवासी पक्षी दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ रुचिका यदु ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व प्रवासी पक्षी दिवस एक वार्षिक वैश्विक अभियान है

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिसका उद्देश्य प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह पक्षियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है और दुनिया भर में संरक्षण कार्यों को प्रोत्साहित करता है। डॉ. रुचिका ने इस वर्ष के विश्व प्रवासी पक्षी दिवस की थीम पर प्रकाश देते हुए जानकारी दी कि इस वर्ष की थीम ₹कीड़ों की रक्षा करें, पक्षियों की रक्षा करें₹ जो कीड़ों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने, शिक्षित करने और सीखने का एक अवसर है। प्रवासी पक्षियों के लिए कीड़ों के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया है। दुनिया के लगभग सभी पारिस्थितिक तंत्रों में मौजूद कीड़े प्रवासी पक्षियों के लिए उनकी लंबी यात्राओं के लिए आवश्यक भोजन स्रोत हैं। प्रवासी पक्षी अक्सर अपने प्रवास का समय कीड़ों की बहुतायत के अनुरूप तय करते हैं। प्रवास रुकने के दौरान भोजन के लिए और प्रजनन की सफलता और अपने बच्चों को खिलाने के लिए वे इन कीड़ों पर निर्भर रहते हैं। प्रवासी पक्षी अक्सर अपने प्रवास को कीड़ों की बहुतायत के अनुरूप बनाते हैं। प्रवास रुकने के दौरान भोजन के लिए और प्रजनन की सफलता और अपने बच्चों को खिलाने के लिए वे इन कीड़ों पर निर्भर रहते हैं। हाल के वर्षों में उजागर हुई कठोर वास्तविकता यह है कि कीड़ों की आबादी घट रही है, जिसका संबंध जीवित रहने के लिए कीड़ों पर निर्भर पक्षी प्रजातियों में गिरावट से है। साइंस जर्नल में एक विश्लेषण से पता चला है कि हम हर दशक में दुनिया की कीट आबादी का लगभग 9% खो रहे हैं। वनों की कटाई, औद्योगिक कृषि, कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, प्रकाश प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन इस प्रवृत्ति को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। अतः उन्होंने छात्राओं से पक्षियों एवं कीटों के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. टी आर सनोड़िया एवं डॉ डिंपल डहेरिया उपस्थित रहे कार्यक्रम में करीब 75 छात्राओं ने भाग लिया।

मोबाईल लोक अदालत में हुये राजीनामे

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सतीश चन्द्र राय, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के कुशल मार्गदर्शन में तथा श्री लक्ष्मण कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के निर्देशन में दिनांक 10.05.2024 को मोबाईल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसके लिए श्रीमती अर्चना यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी की पीठ का गठन किया गया। मोबाईल लोक अदालत में पारिवारिक विवाद से संबंधित 04 प्रकरण रखे गए थे जिसमे कुल 02 प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्रकरणों में दोनो पक्षो को समझाईश देने के बाद मोबाईल लोक अदालत में राजीनामें के आधार पर श्रीमती अर्चना यादव पीठासीन अधिकारी मोबाईल लोक अदालत ने कुल 02 प्रकरणों का सफलता पूर्वक निराकरण किया।

आयोजित हुआ विधिक जागरूकता शिविर

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्रीमान सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में एवं श्री लक्ष्मण कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के निर्देशन में श्रीमती तनु गुप्ता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी एवं श्रीमती पायल परमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी के द्वारा दिनांक 10 मई 2024 को आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 33 कोयला भट्टी सिवनी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में नालसा आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना, संविधान के मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, पास्को एक्ट, यौन उत्पीड़न नेशनल लोक अदालत योजना के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

मिशन स्कूल छपारा द्वारा आयोजित हुआ सम्मान समारोह

बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल छात्रों को जिला कलेक्टर द्वारा किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

नगर के मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से कक्षा बारहवीं में जीव विज्ञान विषय में प्रदेश में टॉप करने वाली छात्रा के सम्मान में सामारोह कार्यक्रम 8 मई को दोपहर 5 बजे से शुरू हुआ जो जिला कलेक्टर क्षितिज सिंघल की मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षता में आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी लखनादौन हिमांशु जैन,जिला शिक्षा अधिकारी एस के कुमरे, तहसीलदार छपारा नितिन चौधरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाचार पत्र प्रतिनिधी एवं अध्यनरत छात्र-छात्राओं के पेरेंट्स उपस्थित रहे कार्यक्रम में प्रदेश की टॉपर एवं नगर की सना अंजुम खान को उनकी दोनों बड़ी बहनों एवं मां को मंच पर आमंत्रित कर जिला कलेक्टर क्षितिज सिंघल ने अपने जिला,नगर एवं विद्यालय का नाम रौशन करने पर बधाई शुभकामनाएं मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की ओर से ट्राफी, प्रमाणपत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया ओर सभी विद्यार्थियों को अपने संबोधन में कहा कि अच्छे परीक्षा परिणाम पर सिर्फ खुद की मेहनत या अकेले को श्रेय ना दें यह विद्यार्थी के अटूट विश्वास और परिश्रम का प्रतिफल तो रहती ही है परन्तु विद्यार्थी के परिवार, शिक्षकों शिक्षिकाओं और विद्यालय की शिक्षा के उपयुक्त वातावरण का भी योगदान रहता है परीक्षा में सफलता मिलेगी जो एक सीडी का प्रथम चरण है हमेशा परिणामों की चिंता किए बगैर मेहनत करते रहें। मिशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य माइकल जोन, प्रदीप मसीह , संजय मसीह सहित सभी शिक्षकों ने विद्यालय से कक्षा पांचवीं, आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह प्रमाण पत्र एवं मैडल प्रदान कर सभी का सम्मान किया गया।

JVPL टूर्नामेंट में नीरू, मन्नी, राकेश ने लगाए अर्धशतक

हरिभूमि न्यूज सिवनी।JVPL टूर्नामेंट के लीग मैच के सातवे दिन मै दो मैच खेले गए आज पहला मैच नाईट राइडर्स और सुपर किंग के मध्य हुआ जिसमें सुपर किंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 8 विकेट के नुकसान पर मात्र 73 रन बनाकर 74 रनो लक्षय दिया सुपर किंग की और से युवराज ने शानदार 29 रनो की पारी खेली नाईट राइडर्स की और से सुजान सिंह ने 2 ओवर मै 12 रन देकर 3 विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाईट राइडर्स ने निर्धारित 8.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 77 रन बना कर यह मैच 8 विकेट से जीत लिया नाईट राइडर्स की और से नीरू ने शानदार 35 गेंद पर 55 रनो की पारी खेली नाईट राइडर्स की टूर्नामेंट मै यह लगातार दूसरी जीत है इस मैच के मैन ऑफ दा मैच नीरू निर्मलकर रहे। दूसरा मैच जेस और सिटी बॉयस के मध्य हुआ जेस के कप्तान अरुण यादव ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया जेस ने निर्धारित 10 ओवर मै 5 विकेट के नुकसान पर 117 रन बनाकर सिटी बॉयस को 118 रनो का लक्ष्य दिया जेस एलेवन की और से *मनीष चौरसिया ने 17 गेंद पर 53 की शानदार पारी खेली जिसमें शानदार छह छक्के शामिल थे* लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिटी बॉयस ने निर्धारित 10 ओवर मै 6 विकेट के नुकसान पर मात्र 87 रन ही बना पाई जेस एलेवन ने यह मैच 30 रनो से जीत लिया सिटी बॉयस की और से कप्तान राकेश अरेवा ने शानदार 56 रनो की पारी खेली जेस एलेवन की और से प्रवीण यादव ने 3 और दीपक डागा ने 2 विकेट लिए इस मैच की मैन ऑफ द मैच मनीष चौरसिया रहे। दोनों मैचो मै निर्णायक की भूमिका बंटी बिसेन और सदाम खान रहे आज के मुख्यअतिथि आसिफ लाल, सतीश चिंटोले और बिसेन जी थे कल 12-05-24 को भी दो मैच खेले जाएंगे पहला मैच सुबह 6:30 बजे जेआरबी vs सर्वोदय दूसरा मैच प्रेस क्लब vs यलगार के मध्य खेला जाएगा।

ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन द्वारा समर कैंप के बच्चों ने किया आउटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरघाट।

ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन द्वारा आयोजित समर कैंप में बच्चों के लिए अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन एक समाजसेवी संगठन है, जो लगातार बच्चों एवं महिलाओं के हित में कार्य कर रहा है। समर कैंप 2024 में डांस, कराटे, योगा, संगीत, सभी प्रकार के वाद्य यंत्र, आर्ट एंड क्राफ्ट एवं मेंहदी, पेंटिंग अनेक विधाएं सिखाई जा रही हैं। समर कैंप के आयोजक ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश सिंह राजपूत द्वारा बच्चों के लिए वाटर पार्क एवं फॉरेस्ट , डैम अनेक स्थानों पर भ्रमण कराया गया। बच्चों ने वाटर पार्क में अनेक प्रकार के स्लाइड एवं पूल में मस्ती करते हुए मौसम का आनंद उठाया। साथ ही सभी बच्चों को फॉरेस्ट (अंबा माई कटंगी) एवं डैम भी घुमाया गया। बच्चों ने साथ में लंच शेयर करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी पालकों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ। ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर नरेश सिंह राजपूत ने बताया की संस्था लगातार समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहा है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में समस्त विधाएं आवश्यक हैं, हम बच्चों को अनेक विधाओं में पारंगत बनाने हेतु सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। समर कैंप में ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन की कोषाध्यक्ष एवं गुरुकुल पब्लिक स्कूल की प्राचार्य ज्योति सिंह राजपूत ने बताया की बच्चे जिन विधाओं को सीख रहे हैं, उन्हे मंच पर अपनी प्रतिभा को दिखाने हेतु तैयार किया जा रहा है। समर कैंप की समस्त टीम द्वारा सहयोगात्मक कार्य करते हुए सहयोग प्राप्त हुआ।

नाली निर्माण के बाद नहीं लगाए गए ढक्कन

नाली में बच्चे और मवेशी हो रहे दुर्घटना का शिकार

नगर परिषद के आजाद वार्ड में समस्याओं का अंबार है ज्ञात हो कि नगर का उक्त वार्ड क्रमांक 9 है जो की परिषद की अध्यक्ष का वार्ड कहलाता है. जहां एक साल पहले नगर परिषद के द्वारा नाली निर्माण किया गया था. नगर परिषद के द्वारा नाली निर्माण के एक वर्ष का समय बीत जाने के बाद भी इन नालियों में ढक्कन नहीं लगाए गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

जिसकी वजह से यहां मवेशी और बच्चे नाली में गिर कर हादसे का शिकार हो रहे हैं. इसके बाद भी नगर परिषद के कर्णधार ध्यान नहीं दे रही है. वही उक्त आजाद वार्ड की रहने वाली महिला प्रेमलता पटवा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा नाली में ढक्कन नहीं लगाए जाने को लेकर सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गई. किंतु इसके बाद भी अब तक नगर परिषद के द्वारा इस ध्यान नहीं दिया गया. साथ ही उन्होंने कहा कि हैरानी की बात तो यह है कि जिस वार्ड में अध्यक्ष स्वयं रहती हैं उनके ही वार्ड में समस्याओं का अंबार है। जहां मूलभूत सुविधा नाली, पेयजल जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं कर पा रही हैं. जिस पर वार्ड वासियों में जमकर आक्रोश पनप रहा है. उन्होंने कहा है कि यदि नगर परिषद अब समय रहते ध्यान नहीं देती है. तो हम वार्ड वासी नगर परिषद में पहुंचकर हंगामा करेंगे. जिसकी स्वयं जिम्मेदार नगर परिषद होगी. उन्होंने कहा कि वार्ड में बच्चे और मवेशी नाली में गिर रहे हैं.इसके बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है फिलहाल देखने वाली बात यह होगी नगर परिषद के जिम्मेदार कब तक इस ओर ध्यान देते हैं।

इनका कहना है

वार्ड में 1 साल पहले नाली का निर्माण किया गया है जिस पर ढक्कन नहीं लगाए गए हैं मवेशी और बच्चे दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं इसके बाद भी नगर परिषद ध्यान नहीं दे रही है।

बसंत बरदिया/ वार्ड वासी

नगर परिषद ने नाली निर्माण तो कर दी लेकिन ढक्कन नहीं लगे जिससे काफी परेशानियां हो रही हैं दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती हैं, साथ ही गंदगी के कारण मच्छर भी पनप रहे हैं शिकायत के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सुनीता पाटर, वार्ड वासी

नगर परिषद को शीघ्र ही आजाद वार्ड की खुली नालियों में ढक्कन लगाने की आवश्यकता है क्योंकि खुली नालियों से वार्ड में बदबू फैल रही है इसके अलावा संक्रमण फैलने से लोग बीमार भी पड सकते हैं साथ ही खुली नाली से दुर्घटनाए भी हो रही है।

किरण कश्यप वार्ड वासी महिला

आजाद वार्ड में नाली निर्माण एस्टीमेट से अधिक निर्माण हो गई है ढक्कन लगाए जाने को लेकर रिवाइज्ड ऐस्टीमेट बनाया गया है आचार संहिता खत्म होने के बाद आजाद वार्ड की संपूर्ण नालियों में ढक्कन लगाए जाएंगे, उक्त प्रकरण स्वीकृति के लिए उच्चाधिकारी के पास जबलपुर भेजा गया है।

सीएमओ श्याम गोपाल भारती